

टेस्ट क्रिकेट में भी बने है चौके और छक्कों के रिकार्ड

मुम्बई

आम तौर पर धारणा है कि टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज बड़े शाट नहीं लगाते पर ये पूरी तरह सच नहीं है। टेस्ट में बल्लेबाज संभलकर खेलते हैं पर एक बार जम जाने पर वे भी बड़े शाट खेलने से पीछे नहीं हटते। पिछले कुछ साल में टी20 से प्रभावित होकर टेस्ट में भी बल्लेबाज़ी भी काफी आक्रामक हुई है।

इसी का परिणाम है कि सात साल पहले एक ऐसे ही मैच में दोनो टीमों के बल्लेबाजों ने इतने चौके और छक्के लगाये कि एक नया रिकार्ड बन गया। साल 2019 मे हुए एक टेस्ट मैच में दोनों टीमों द्वारा मिलकर लगाए गए सर्वाधिक छक्कों का ये विश्व रिकार्ड अब भी कायम है और किसी भी टीम के लिए इसे तोड़ना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

यह असाधारण कीर्तिमान 2 अक्टूबर 2019 को विशाखापत्तनम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में बना। इस मुकाबले में, बल्लेबाज़ों ने लंबो छक्कों से रनों की झड़ी लगा दी। दोनों टीमों के संयुक्त प्रयासों से कुल 37 छक्के और 171 चौके लगे, जिसने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज़ रोहित शर्मा ने ने दोहरा शतक लगाया। इसके अलावा मयंक अग्रवाल ने भी शतक लगाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इन्हीं पारियों के बल पर भारत ने इस मैच में शानदार जीत दर्ज की थी।

इस रिकार्ड से पहले, सर्वाधिक छक्कों का विश्व कीर्तिमान न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के नाम था। 26 नवंबर 2014 को शारजाह में खेले गए उस रोमांचक मुकाबले में कुल 35 छक्के और 144 चौके लगाए गए थे, जिसमें न्यूज़ीलैंड ने जीत हासिल की थी। छक्कों की बारिश के मामले में तीसरे स्थान पर 15 फरवरी 2024 को राजकोट में भारत और इंग्लैंड के बीच संपन्न हुआ टेस्ट मैच रहा जहां कुल 33 छक्के और 140 चौके लगे और भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की। चौथे स्थान पर 2 जुलाई 2022 को बर्मिंघम में इंग्लैंड और भारत के बीच खेला गया मुकाबला है, जिसमें 30 छक्के लगे थे।वहीं, पांचवें स्थान पर 24 अप्रैल 2023 को गाल में श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेला गया टेस्ट मैच आता है, जिसमें 28 छक्के और 147 चौके जड़े गए थे। यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं, बल्कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट के बदलते स्वरूप और बल्लेबाज़ों की निडर मानसिकता का जीवंत प्रमाण हैं। ये मैच साबित करते हैं कि जब प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ पूरे आत्मविश्वास और आक्रामक मूड में हों, तो लाल गेंद से भी सीमा रेखा पार कराने वाले शाट मारकर खेल को एक नए, रोमांचक आयाम तक पहुंचा सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट अब केवल धैर्य का खेल नहीं रहा, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन गया है जहां बल्लेबाज़ अपनी रचनात्मकता और शक्ति का प्रदर्शन करके प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन प्रदान कर रहे हैं, और छक्कों के ये अटूट रिकार्ड इसी बदलती प्रवृत्ति की गवाही देते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

भोपाल ने पहली पारी में 125 रन की बढ़त के आधार पर सीहोर को हराया



भोपाल। अंडर-22 इंटर डिस्ट्रिक्ट बहुदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भोपाल संभाग ने सीहोर को पहली पारी में 125 रन की बढ़त के आधार पर पराजित किया। मैच विदिशा के कनारा ग्राउंड पर खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भोपाल ने 78 ओवर में आठ विकेट पर 318 रन बनाकर पारी घोषित की। प्रतीक शुक्ला ने 197 गेंदों पर 120 रन बनाए। ऋषभ पांडेय ने 78 और आयुष अवस्थी ने 40 रन का योगदान दिया। जवाब में सीहोर की पहली पारी 63.4 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। निर्मल मेवाड़ा ने 58 और विकास सस्त्य ने 75 रन बनाए। भोपाल के प्रतीक शुक्ला ने 53 रन देकर छह विकेट झटके और टीम को 125 रन की बढ़त दिलाई। दूसरी पारी में भोपाल ने 34 ओवर में सात विकेट पर 115 रन बनाए। नयन अतुलकर ने 21, आदित्य सिंह ने 20 और प्रथु ने 19 रन बनाए। सीहोर की ओर से अनिरुद्ध ठाकुर और कृष्ण शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। पहली पारी की बढ़त के आधार पर भोपाल को विजेता घोषित किया गया। प्रतीक शुक्ला को 120 रन और छह विकेट के शानदार प्रदर्शन के लिए एमपीसीए सीडीसी चेयरमैन हर्ष कुमार पांडे ने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किया।

लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ा

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के युव बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ता दिख रहा है। टेस्ट डेब्यू के बाद से ही शानदार शुरुआत करने वाले लाबुशेन का बल्ला पिछले कुछ साल से शांत है जिससे कारण वह लगातार असफल हो रहे हैं। ऐसे में टीम में उनकी जगह पर भी सवाल उठने लगे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये। यहां तक कि अंतिम टेस्ट में जब टीम को उनकी जरुरत थी तब भी उन्होंने निराश किया। केपटाउन में खेले गए इस तीसरे टेस्ट में वह केवल 4 रन ही बना पाये। ऐसे में तय है कि अब चयनसमिति उन्हें शायद ही आगे अवसर दे। केपटाउन टेस्ट में आस्ट्रेलिया को करारी हार झेलनी पड़ी और इसके साथ ही टीम तीन मैचों की सीरीज 2-1 से हार गयी। इस मैच में आस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी बिखर गयी। लाबुशेन का प्रदर्शन विशेष रूप से चिंताजनक रहा। पूरी सीरीज में, लाबुशेन 6 पारियों में केवल 131 रन ही बना सके, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 39 रन रहा। ऐसे में उनकी लगातार खराब फार्म ने टीम प्रबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लाबुशेन ने अपने करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी। शुरुआती 74 पारियों में उन्होंने 11 शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाई थीं।



प्रेमा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड



नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रेमा ने हैदराबाद के खिलाफ केवल 14 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गयीं। प्रेमा ने ये रन भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्राफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए बनाये। वहीं अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था। सना ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हालांकि महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड अभी भी सना के नाम ही है क्योंकि प्रेमा ने जो रिकार्ड बनाया है। वह घरेलू क्रिकेट का है। प्रेमा ने पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने अपनी 14 गेंदों की पारी में 6 शानदार चौके और 4 छक्के लगाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 357 का रहा। प्रेमा की इस आक्रामक पारी से उत्तराखंड ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 187 रन बनाये। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 98 रन ही बना सकी और इस तरह प्रेमा की पारी से उत्तराखंड ने 89 रनों से मुकाबला जीत लिया। मैच जीत लिया। प्रेमा के अलावा, उत्तराखंड की ओर से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन जबकि करीना ने 44 रन और नीलम भारद्वाज ने 19 रन बनाये।

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा

क्राइस्टचर्च

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच यहां हुआ दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया विशेषकर यशस्वी जायसवाल ने 155 रनों की नाबाद पारी खेली। अंतिम दिन न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 282 रन बनाये। इस मैच में यशस्वी ने अपना फार्म हासिल किया। वह पहले अभ्यास मैच में सिर्फ 17 और 5 रन बना पाये थे। यशस्वी ने इस मैच की दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 162 गेंदों पर 15 चौकों और पांच शानदार छक्कों की सहायता से नाबाद 155 रन बनाए।

यशस्वी के अलावा, कप्तान ध्रुव जुरेल ने पहली पारी में 105 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और बल्लेबाजी कौशल दोनों को दर्शाती है। वहीं, दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज यश राठौड़ ने भी नाबाद 100 रन बनाये। शतक दर्ज कराया। पहली पारी में 80 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल हालांकि दूसरी पारी में खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि साई सुदर्शन ने 11 रन का योगदान दिया। भारत ए ने अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाकर बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारत ए ने अपनी दूसरी पारी 282 रन पर 2 विकेट के स्कोर के साथ समाप्त की।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी इस मुकाबले में लय हासिल की। मुकेश कुमार ने 29 ओवरों में 87 रन देकर पांच अहम विकेट झटके, तो मोहम्मद सिराज ने 35 ओवरों में 118 रन देकर चार बल्लेबाजों को आउट किया।

इस बीच, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे में टेस्ट सीरीज से पहले ऋषभ पंत की फिटनेस को लेकर एक झटका लगा है। खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे पंत अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुए फिटनेस टेस्ट में असफल रहने के बाद, उन्हें अगले 48 घंटे के भीतर एक और मौका मिलेगा। यदि वह फिट घोषित होते हैं, तो वह 7 नवंबर से लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो उनकी वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अच्छी खबर यह है कि जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। उनके भी इंडिया ए के लिए तीसरे चार-दिवसीय मैच में खेलने की उम्मीद है, जिससे वह मुख्य टेस्ट सीरीज से पहले मैच फिटनेस और लय हासिल कर सकें।



भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कानवे



आकलैंड (न्यूजीलैंड)। भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कानवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच आकलैंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कानवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कानवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पहले से ही मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र की चोटों से परेशान है। ऐसे में पहले वनडे से ठीक पहले कानवे का बाहर होना टीम के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा



नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के दिग्गज आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय करियर 14 साल तक चला। उन्होंने आखिरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा लिया था।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पाडकास्ट पर कहा कि यह फैसला थोड़ा दुखद है लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर रहा हूं।

उन्होंने चयनकर्ताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार चर्चा हुई थी। यह बातचीत काफी खुली और स्पष्ट थी।

अपने करियर को लेकर मैक्सवेल ने कहा कि मैं शुक्रगुजार हूँ कि मुझे अपने देश के लिए खेलने का मौका मिला। अगर 2009 के आसपास जब मैंने पहली बार विक्टोरिया के ड्रेसिंग रूम में कदम रखा था, तब किसी ने मुझे ऐसा करियर देने की बात कही होती, तो मैं खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेता।

ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के साथ ही आस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक यादगार अध्याय समाप्त हो गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और उपयोगी गेंदबाजी के दम पर उन्होंने दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई।

मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में आस्ट्रेलिया का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 7 टेस्ट मुकाबले खेले। इस दौरान वह आस्ट्रेलिया की दो वनडे विश्व कप (2015 और 2023) तथा एक टी20 विश्व कप (2021) जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

सफेद गेंद के क्रिकेट में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर मैक्सवेल ने कई मौकों पर आस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। खास तौर पर 2023 वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक दोहरा शतकीय पारी क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में शामिल है। उस मुकाबले में उन्होंने चोट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद नाबाद दोहरा शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी।

मैक्सवेल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 149 मैचों में 3990 रन बनाए।

हाइलो ओपन-2026 का खिताब जीतकर पीवी सिंधु विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर



नई दिल्ली। जर्मनी में हाल ही में हुए हाइलो ओपन-2026 में खिताब जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अपनी विश्व रैंकिंग में और सुधार करके छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। महिला सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराकर इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने इस साल जापान ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। इस सुपर 500 खिताब से उन्हें 9,200 अंक मिले, जिससे बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के ताजा अपडेट में वह दो स्थान ऊपर आ गईं। एक हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन के बाद सिंधु टाप-10 में शामिल हुई थीं (तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंची थीं), जहां फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अक्टूबर, 2022 में टाप-5 में थीं, जब वह कुछ समय के लिए विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी बनी थीं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बदली-बदली नजर आयेगी भारतीय टीम, दो अलग-अलग कप्तान रहेंगे

वैलिंगटन

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन मैचों में टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे।

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में भी बदलाव नजर आयेगा। अभी तक भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रही थी। उनकी टीम में शामिल 9 खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में नहीं होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ये खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती। वहीं शुभमन की कप्तानी वाली इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज को भी शामिल किया गया है। पांच मैचों के लिए बीसीसीआई दो कप्तान रखें हैं। इसके अलावा अंतिम दो मैचों के लिए टीम में भी बदलाव किया गया है।

पहले एकदिवसीय के लिए एक अलग टीम है। वहीं सरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए अलग टीम है। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए एक और अलग टीम है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव शामिल हैं। दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, कुमार कुशाग्र, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।



लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए भारतीय हाकी टीम में बदलाव होंगे : कोच फुल्टन

मोहाली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि साल 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए टीम में कई बदलाव किये जाने हैं। इसी के तहत ही फरवरी में होने वाले प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए एक बिल्कुल नई टीम का चयन किया जाएगा। इस लीग में भारत को जर्मनी, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की टीमें शामिल रहेंगी।

फुल्टन ने कहा, हम फरवरी में प्रो लीग के लिए एक नई टीम का चयन करेंगे। हमारे पास अभ्यास के लिए बहुत कम समय होगा क्योंकि खिलाड़ी अपनी अपनी फ्रेंचाइजी में वापस चले जाएंगे। उन्होंने साथही कहा कि प्रो लीग में खेलने वाली यही नई टीम 2027-28 के ओलंपिक चक्र की शुरुआत करेगी, जो सीधे लास एंजिलिस ओलंपिक की तैयारियों से जुड़ा है। यह रणनीति टीम को लंबे समय के लिए तैयार करने और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव प्रदान करने के लिए अपनाई जा रही है।

साथ ही कहा कि इस बड़े बदलाव की शुरुआत न्यूजीलैंड दौरे से हो सकती है, जहाँ भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) के समाप्त होने के बाद इस महीने एक विशेष अंतरराष्ट्रीय टेस्ट सीरीज खेलेगी।

यह दौरा भारत के 1926 में हुए पहले ऐतिहासिक हाकी दौरे के 100 साल पूरे होने की याद में रखा गया है। इसके तहत की आकलैंड में 19, 21 और 22 नवंबर को तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। फुल्टन ने यह भी साफ किया कि न्यूजीलैंड जाने वाली टीम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम बदलाव के दौर से गुजरती है और भारतीय टीम ने पहले भी ऐसे बदलाव किए हैं।

कोच ने बताया, हमने तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी खेली है और तीनों बार हमारी टीम बदली हुई थी। चेन्नई (2023) में खेलने वाली टीम हुलुनबुइर (2024) में खेलने वाली टीम से अलग थी। पिछली टीम के बाद से हमने नौ खिलाड़ियों को बदला है। अब यह टीम भी अलग होगी। यह दिखाता है कि टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को आज़मा रहा है और सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है।

गौरतलब है कि इस साल के विश्व कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहाँ टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालाँकि टीम ने एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखा और 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया, जो टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। फुल्टन ने विश्व कप के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, विश्व कप के बड़े मैचों में जब हमें गोल करने की जरूरत थी, तब हम गोल नहीं कर पाए और हमने कुछ आसान गोल भी खा लिए। इसलिए हमारी रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति दोनों में सुधार की जरूरत है।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एशियाई टीमों के खिलाफ गोल करने और बचाव करने में टीम अच्छी है पर उसे ओलंपिक में जीतने के लिए यूरोपीय और उच्च रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ प्रदर्शन में सुधार की जरुरत है।

